

हैमनी MBH. 2, 2669. घ्रयेवाकं निराकारा जीवितप्रियवर्जिता। शोषयिव्यामि गात्राणि व्याली तालगता यथा ॥ 3, 16143. अथ ते वै ब्रह्मयेनं तालापादिव पात्यते 13, 1941. मुण्डतालवनानोव स चकार रथन्नान् 6, 5441. तालमात्रापुष्टः 5, 1853. महूनुः कर्षति तालमात्रम् 1, 7080. धूनो व्यौद्धेरस्कास्तालमात्रान्दर्दश 7814. वनस्पतिम् — तालमात्रम् 4, 813. तालमात्रमयोत्पत्य न्यपतत्स शरातुरः R. 3, 50, 19. प्रासादम् — बङ्गतालसमुक्त्वे धम् 6, 2, 6. प्रैज्ञेनकतालसमुच्छृष्टैः 4, 43, 32. die *Weinpalme als Höhenmaass* auch *LALIT.* 15, 21, 336 (vgl. SCHIEFFNER in *Méli. asiat.* I, 237, der ताल hier in der Bed. von *Spanne* aussuchen möchte). धूनो हैमपारारक्षतम् — मुवर्णतालप्रतिमम् MBH. 14, 2329. प्रोप्तुः कनकतालाभः सिंहसंक्षमनो युवा 1, 5383. Viell. bezeichnet *मुवर्णताल* und *कनक* eine andere Palmenart. Die *Weinpalme* als *Banner*: तालः मुवर्णश्च महावृष्टौ तौ मुपाङ्गितौ रामजनार्दनाम्याम् MBH. 16, 62. भीष्मय बङ्गध तालः चलत्वारुदश्यत 6, 1841. स राज्ञो महास्कन्धस्तालो मणिविभूषितः। सौभग्यविशिखैष्ठिक्षः पपात भुवि 1832. केतुना पञ्चतरेण तालेन । राजतेन — उच्छ्रितेन महारथे 1806. तालेन महता — पञ्चतरेण केतुना 653. एतम्भा प्राप्यानीकं यत्र तालो द्विरप्यः 4, 1950. केमतालोच्छ्रितधम् — भैरिगिनो नाथम् HARIV. 4437. शतकाम्भेन महता तालवृत्तेण केतुना 13023. Vgl. तालकेतु, °धून, °भूत्, °लत्मन्, तालाङ्क. — b) das *Händeklatschen* (von तइ oder तल) H. an. MED. तालशब्दं (das Geräusch der herabfallenden *Palmnüsse*) स तं श्रुता संघुष्टं पालपातने। नामर्षयत तं क्रुद्धस्तालस्वनमिव द्विपः ॥ HARIV. 3713. तालैः शिशद्वलयसुभौः MEGH. 77. केचित्तालानकुर्वत्वन्तुश्च प्रख्यृश्वत् R. 5, 60, 13. नृत्यावः सहितावावो दत्तालावनेकशः Hid. 2, 15. तालवाय KATHAS. 25, 186. करतलताल (vgl. तलताल) dass. GTR. 1, 43. लृस्तताल dass.: सहस्रतालं विकृस्य MRKSH. 13, 6. DHURATAS. 73, 9. पाणितालैः MBH. 13, 1397. das *Klatschen* überh.; insbes. das *Klatschen* der *Ohrklappen des Elefanten*: गजपूर्यकर्णतालैः पद्मुपकृष्टिनिमिः RAGH. 9, 71. KATHAS. 21, 1. कर्णतालास्फालन PRAB. 2, 7, 88, 5. कृस्ती — उत्कर्णतालैः (hier ist wohl उद्द in der Bed. von *anhebend, beginnend* mit *कर्णताल* zu verbinden, nicht mit *कर्णा*, wie u. *उत्कर्णा* angenommen wird) गीतरसादिव KATHAS. 12, 19. — नृकपालतालरणितैः PRAB. 3, 13. — c) (der mit der Hand geschlagene) Tact AK. 1, 1, 3, 9. TRAIK. 3, 3, 393. H. 292. H. an. MED. तालक्ष JÄG. 3, 115. लपतालसमे श्रुत्वा गङ्गावतरणं प्रभम् HARIV. 8604. वायते समतालं च गीयते मधुरं तथा 10084. गीतमविस्वरम् — तालमानसमन्वितम् R. GOOR. 1, 3, 60. गीतं तस्मिन्नालसमन्वितम् 5, 10, 11. तालमूर्खनकेविदै R. 1, 4, 11. ताला एकोनपञ्चाशत् (vgl. तान) PANIKAT. V, 43. CUK. 39, 10. MĀR. P. 23, 52. तालैं त्रिप्रकाराम् (sic) 53. पाणितालैः सुतालैश्च शम्पातालैः समैस्तथा MBH. 13, 1397. द्रूपकैं GTR. S. 2. पति० 6. ऊर्ध्व०, लघुशिखर०, तुरगनील०, उमातिलक०, राज०, विश्वाध०, राजविनोद०, खण्ड०, ललित० Verz. d. Oxf. H. 87, a, 10. fgg. दिव्यतालेषु गायतः MBH. 13, 995; an andern Stellen °तानेषु, welches wohl richtiger ist. — d) *Cymbel* AK. 1, 1, 3, 4. H. 286. MED. PANIKAT. 20, 8. BHAG. P. 8, 13, 21. — e) *Trochaeus* COLEBR. Misc. Ess. II, 181. — f) neben ताल als Bein. Civa's MBH. 13, 1243. — g) eine *Spanne des Daumens und des Mittelfingers* AK. 2, 6, 2, 34. H. 303. H. an. MED. — h) *Handfläche* (vgl. ताल) H. 396. H. an. MED. — i) der *Griff eines Schwertes* (vgl. ताल) H. an. MED. — k) *Thürschloss* (vgl. तालका) WILS. — l) m. oder n. eine best. *Hölle* VP. 207. fg. n. Civa-P. bei WOLB. Myth. 17;

III. Theil.

vgl. ताल. — m) pl. N. pr. eines Volkes VARĀH. BH. S. 14, 22. Vgl. अपरताल, तालवन्. — n) = कृरिताल *Auripigment*, m. TRAIK. H. an. n. AK. 2, 9, 104. H. 1059. MED. — 2) ताली f. a) N. eines Baumes HARIV. 6407. R. 4, 43, 6. SUÇA. 2, 102, 17. MRKSH. 92, 13. RAGH. 4, 34. 6, 57. 13, 15. RĀGA-TAR. 3, 30. 4, 155. Schol. zu SĀMKHJAK. S. 64. *Corypha Talera Roxb.*, eine *Fächerpalme* Roxb. Fl. ind. 2, 174. AK. 2, 4, 5, 35. H. an. 2, 120. *Corypha umbraculifera Lin.* nach VOIGT. Vgl. ताडि, ताडि, रालताली. *Flacourtie cataphracta Roxb.* AK. 2, 4, 4, 15. MED. RATNAM. 55. = तालमूली *Curculigo orchoides Roxb.* RATNAM. im ÇKD. = तालमूली RĀGAN. im ÇKD. — b) *Palmenwein* ÇKD. nach der SMRTI. — c) eine best. *Erdart*, = तुवरी ÇABDAR. im ÇKD. eine Verwechselung mit काली (welches Th. II, S. 247, Z. 2 v. u. fälschlich durch *Cajanus indicus* Spreng. wiedergegeben worden ist); vgl. übrigens तालक, मृतालक. — d) = प्रतिताली eine Art *Schlüssel* H. 1006. — e) ein best. *Metrum* (4 Mal — — —) COLEBR. Misc. Ess. II, 158 (III, 1). — 3) f. ताला in der Stelle: पत्र मांसादमयभाससाद वृक्षद्यः। तं कृत्वा मासतालमिस्त्वा भेरीरकारपत् MBH. 2, 812. Vielleicht ist मांसनालाभः zu verbessern. — 4) n. a) die *Nuss der Weinpalme*; s. u. 1, a. — b) *Auripigment*; s. u. 1, n. — c) Bez. des Thrones der Durgā H. 203, v. 1. Vgl. मनस्ताल. — 5) oxyt. adj. f. इ aus der *Weinpalme* bereitet P. 4, 3, 152. धनुस् Sch. मध्य PULASTJA bei KULL. zu M. 11, 95. — 6) ताली indecl. in Verb. mit श्रस्, कर् und भू गाना ऊर्ध्वादि zu P. 1, 4, 61. — Vgl. उच्च०, उत्ताल, एक०, कर०, कांस्य०, काम०, क्रीष्ण०, मनस्ताल.

तालक m. n. SIDHU. K. 249, a, 4, 1) m. a) ein best. giftiges Insect Suçra. 2, 288, 13. — b) N. pr. eines Lehrers VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 53, b, 12 (v. l. तालिका), eines Fürsten VP. 473. — 2) f. तालिका a) *Handfläche* (vgl. ताल, ताल) H. 396. ÇABDAR. im ÇKD. तालिकासंचितपैश्च अन्योऽन्यं ज्ञातुः HARIV. 9920; vgl. तालिका. — b) N. zweier Pflanzen: a) = तालमूली ÇABDAR. im ÇKD. — β) = तालमूली RĀGAN. im ÇKD. NIGH. PR. — 3) f. तालकी *Palmenwein* (ताली) ÇKD. nach TRAIK. 2, 10, 16, wo aber die gedruckte Ausg. तालती liest. WILS. in der ersten Ausg. तालती, in der zweiten तालकी. — 4) n. a) = ताल, कृरिताल *Auripigment* RĀGAN. im ÇKD. — b) eine best. *Erdart* (ताली, तुवरी) ÇABDAR. im ÇKD. — c) *Thürschloss* H. 1005. VJUTP. 137. तालकी (sic) द्वारमुक्तः *Riegel* Verz. d. B. H. No. 1194 (S. 337). — d) eine Art *Schmuck* (vgl. तालपत्र) VJUTP. 139.

तालकट m. N. pr. eines Landes VARĀH. BH. S. 14, 11; v. l. तालिकट. — Vgl. तालाकट.

तालकाभ तालक *Auripigment* + श्राभि) adj. grün, m. die grüne Farbe H. 1395.

तालकेतु (ताल *Weinpalme* + केतु) m. Bein. Bhishma's MBH. 5, 5081. 6, 1816. N. pr. eines Gegners von Krishna, den dieser erlegt, 3, 492. HARIV. 9141. eines Dānava, eines jüngeren Bruders des Pātālaketu (hiernach könnte man vermuten, dass beim Bruder तालकेतु das erste Wort auch eine *Hölle* bezeichnete) MĀR. P. 22, 6.

तालकीर = तवतीर NIGH. PR. °कीरि॒क n. = तालमूलतवत्तीर RĀGAN. im ÇKD.

तालगर्भ (ताल + गर्भ) *Palmenwein* VARĀH. BH. S. 49, 24.